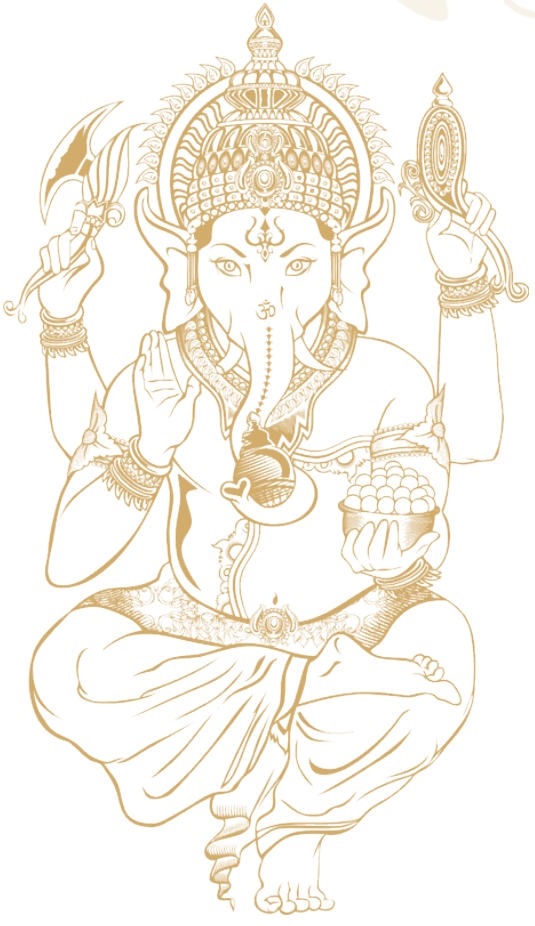

Mr. Utkarsh vaishnav

Ms. Megha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119189002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/06/2001	जन्म तिथि	07/12/2001
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:05:00	जन्म समय	16:15:00 घंटे
घटी 05:57:16	जन्म समय(घटी)	23:22:02 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Dhar
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:32:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:05	सूर्योदय	06:55:51
19:13:20	सूर्यास्त	17:43:57
23:52:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 3मा 23दि	04:58:49	कर्क	लग्न	मेष	29:27:47	शुक्र 15वर्ष 2मा 24दि
राहु	04:01:01	मिथु	सूर्य	वृश्चि	21:30:47	चन्द्र
12/10/2021	02:37:57	वृष	चंद्र	सिंह	16:30:39	03/03/2023
13/10/2039	27:08:43	वृश्चि व	मंगल	कुंभ	05:03:21	02/03/2033
राहु 24/06/2024	00:10:23	मिथु व	बुध	वृश्चि	22:55:39	चन्द्र 01/01/2024
गुरु 18/11/2026	00:41:53	मिथु	गुरु व	मिथु	19:51:59	मंगल 01/08/2024
शनि 24/09/2029	18:37:30	मेष	शुक्र	वृश्चि	12:23:06	राहु 31/01/2026
बुध 12/04/2032	13:37:47	वृष	शनि व	वृष	17:17:04	गुरु 02/06/2027
केतु 01/05/2033	12:30:04	मिथु व	राहु	मिथु	03:20:39	शनि 31/12/2028
शुक्र 30/04/2036	12:30:04	धनु व	केतु	धनु	03:20:39	बुध 02/06/2030
सूर्य 25/03/2037	00:47:56	कुंभ व	हर्ष	मक	27:37:16	केतु 01/01/2031
चन्द्र 24/09/2038	14:30:53	मक व	नेप	मक	12:48:27	शुक्र 01/09/2032
मंगल 13/10/2039	19:39:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:14:04	सूर्य 02/03/2033

लग्न-चलित

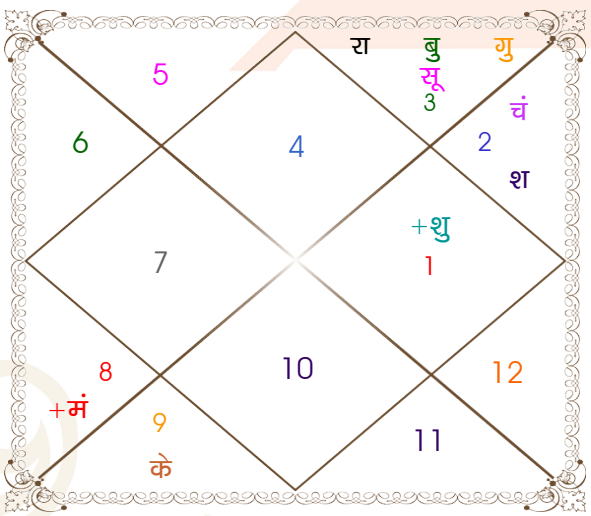

लग्न-चलित

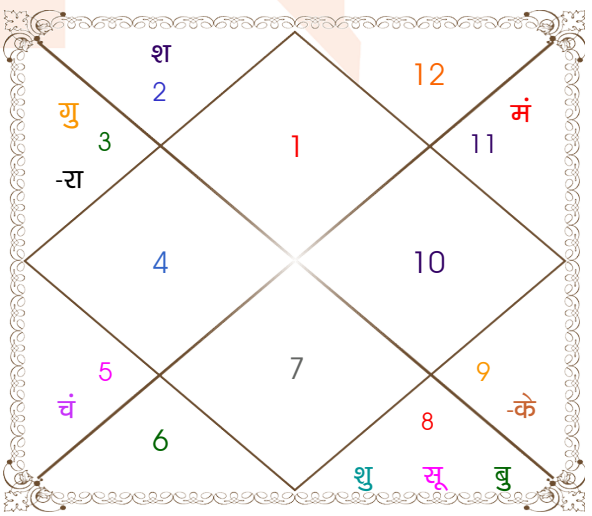

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण् न्जांतेी अंपेीदंअ का वर्ग गरूड़ है तथा डेण् डमहीं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् न्जांतेी अंपेीदंअ और डेण् डमहीं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् न्जांतेी अंपेीदंअ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डेण् डमहीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डतण् न्जांतेी अंपेीदंअ तथा डेण् डमहीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।